ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19(JS)–ESY-**E3**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Sunita Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19/H007

Center & Date: Delhi, 04.08.2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1101339

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड–A Section-A		
खंड–B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

_____

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

_____

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।

"दुनिया के अधिकांश समाजों में अनुकरण की संस्कृति रही है। केवल कुछ ही समाजों में नवाचार और चिंतन को प्रोत्साहन मिला और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि केवल कुछ ही समाज आगे बढ़ पाए हैं।"

वॉल्टर बेजहॉट

बेजहॉट का यह कथन तकनीक के उस महत्व को सार्थक रूप में व्यक्त करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जहाँ तकनीक सपनों को वास्तविकता में बदलकर समाज को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

रॉबर्ट बंधुओं से तो हर कोई परिचित है... पक्षियों को देखकर आसमान में उड़ने का स्वप्न भला किसने नहीं देखा होगा, परन्तु शायद ही कभी कोई यह विश्वास कर पाया हो कि एक दिन मनुष्य वास्तव में आसमान छू सकेगा। रॉबर्ट बंधुओं के हवाई जहाज के आविष्कार सपनों और वास्तविकता के अवसर को बाट दिया।

हर रात सूर्यास्त होने पर मानव मन कौतूहल मचता होगा कि कैसा हो यदि हम सूरज को रोक सकें और अँधियारे का कभी सामना ही न करना पड़े। ऐसा ही एक सपना देखा थॉमस एल्वा एडीसन ने और बल्ब का आविष्कार कर दिन - रात के अंतर को ही समाप्त कर दिया।

ऐसी न जाने सैंकड़ों कहानियों से हम परिचित हैं - ग्राहम बेल से लेकर एलन मस्क तक, हर कोई उम्मीद और अवसर के इस रास्ते को पार कर मानव सभ्यता को एक नई दिशा देने में अपना योगदान दर्ज करा रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रश्न यहाँ यह भी है कि तकनीक में ऐसा क्या है जो वह पूरी मानव सभ्यता को नई दिशा देने में सक्षम है? वस्तुतः तकनीक एक ऐसा नवाचार है जो मानवीय कार्यों को आसान बनाने के साथ-साथ उसके जीवन स्तर में वृद्धि के नए-नए आयामों को खोजता है। उदाहरण के लिए हमारे दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले सभी उपकरण - टी.वी., फ्रिज, ए.सी., टेलीफोन, मोबाइल तकनीक के ही उत्पाद है। इन उपकरणों की खोज से पूर्व मानव के पास जीवन में सुख-सुविधाओं की संभावनाएँ अत्यंत कम थीं।

वस्तुतः मानव ने अपनी सभ्यता के विकास क्रम में अपनी नई-नई आवश्यकताओं की पूर्ति तथा अपने विवेक के बल पर जो नई संभावनाएँ खोजीं, वही तकनीक का रूप धारण करती गई। आदिमानव से कृषक बनने का सफ़र जिस परिवर्तन पर निर्भर था – वह थी कृषि क्रांति। कृषि उपकरणों का विकास, पशुपालन, फसलों का उत्पादन आदि कार्य मानव ने नए तकनीक के प्रयोग जैसे-हल के प्रयोग से ही पूरे किए थे। बड़े उत्पादन ने मानव को एक स्थान पर रहने तथा जीवन के अन्य पहलूओं पर विचार करने के नए अवसर प्रदान किए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अतिशय कृषि उत्पादन ने धीरे-धीरे मनुष्य में नई उम्मीदो को पैदा किया। वह अब कुछ ऐसा प्रयोग करना चाहता था जिससे कृषि उत्पादों का प्रयोग कर तीव्र गति से नई वस्तुएं बनायी जा सके। इसी उम्मीद ने औद्योगिकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। मशीनी क्रांति में जेम्स वॉट, हरग्रीव्ज, जेम्स हिक्की जैसे आविष्कारकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अब मानव आवश्यकता की वस्तुओं का उत्पादन भारी मात्रा में आसानी से होने लगा।

विद्युतीकरण ने औद्योगिक विकास को एक नई दिशा और अवसर प्रदान किया। ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से होने लगी और परिवहन और संचार के क्षेत्र के साथ-साथ नवोन्मेषों, खोजों को नई दिशा मिली। मानव सभ्यता के अब तक के सबसे बड़े तकनीकी नवाचार का नाम है- सूचना तथा संचार क्रांति। इस क्रांति ने पूरे विश्व को ही एक ग्राम में परिवर्तित कर दिया और मानव के लिए अवसरों की सड़ी लगा दी। अब किसी भी प्रकार की सूचना, संपर्क के लिए एक सैकंड से अधिक समय की आवश्यकता नहीं रही। सोशल मीडिया का एक जीता-जागता उदाहरण हमारे सामने है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूचना एवं संचार क्रांति के इस बदलाव को हम भली-भाँति महसूस करते हैं, परंतु अब एक और नई अवधारणा हमारे सामने आ रही है जो इससे भी कहीं अधिक रोचक और अवसरों से युक्त है- 'औद्योगिक क्रांति 4.0'। यह एक नयी दुनिया होगी जहाँ ऑयेमेशन इस हद तक होगा कि मानव को शायद ही कुछ करने की आवश्यकता हो। IOT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स), AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), Big data, Automation की यह दुनिया मानव के लिए किसी स्वप्न से कम नहीं हो।

मानव जब-जब नई उम्मीद अपने मन में पाली और उसे हकीकत में बदलने का प्रयास किया तो वही तकनीक के रूप में सामने आयी। जिसने नए-नए अवसर पैदा कर नई उम्मीदों को आगे बढ़ाया। मानवीय विकास का क्रम इसी की कथा है। वर्तमान समय में, हम रोज कुछ न कुछ ऐसा देखते एवं सुनते अवश्य है जिस पर एकबारगी विश्वास करना कठिन हो जाता है। बिल गेट्स, मार्क जुकरबर्ग, एलन मस्क, सुंदर पिचई जैसे नाम इस दिशा में अग्रणी लोगों में गिने जाते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

NASA, ESA, JAXA, ISRO जैसी संस्थाओं के निरंतर प्रयासों ने हमें पृथ्वी के बाहर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का अवसर प्रदान किया है। जिस चाँद को हम 'चंदा मामा' कहकर कविताएँ किया करते थे, कभी मनुष्य ने सोचा न होगा कि एक दिन वह खुद चाँद पर होगा। केवल चाँद ही नहीं, चंद्रयान-2, मंगलयान, Insight, Kepler, आदित्य जैसे मिशन आज अंतरिक्ष के हर क्षेत्र में नए-नए अवसरों को खोज रहे हैं। भारत का 'गगनयान' मानव को अंतरिक्ष में ले जाने की एक नई पहल है। यह तकनीक के उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी को समाप्त करने का ही परिणाम है।

केवल भौतिक नहीं, जैविक क्षेत्र में आज मानव कृत्रिम अंगों का निर्माण करने, जीन अभियांत्रिकी द्वारा विभिन्न बीमारियों को नियंत्रित करने (कैंसर जैसे), फसलों में विभिन्न प्रतिरोधी क्षमताओं का विकास तथा उत्पादकता में वृद्धि, मानवीय उपयोग की दवाइयों का उत्पादन जैसे तौद्योगिकी से मानव जीवन को काफी हद तक नियंत्रित करने में सक्षम है। वस्तुतः वह दिन दूर नहीं जब मृत्यु को भी टालने में मानव सक्षम होगा और यह सब संभव हुआ है तकनीक के ही बल पर।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नाभिकीय प्रौद्योगिकी, रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी नित नए प्रयोग प्रक्षेपण किए जा रहे हैं। मानव का लक्ष्य अब नाभिकीय संलयन का प्रयोग कर कृत्रिम सूर्य बनाने का है। यह मानव की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में एक क्रांति से कम नहीं होगा। नैनो तकनीक अत्यंत सूक्ष्म स्तर की तकनीक है जिसका प्रयोग जीवन के लगभग हर क्षेत्र में संभव है। चाहे वह चिकित्सा हो, ऊर्जा हो या अन्य भौतिक वस्तुओं का निर्माण हो।

रोबोटिक्स मानवीय श्रम को आसान बनाने का एक नया अवसर है। वस्तुतः अब तो इससे आगे बढ़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बात की जाती है जो मानव की तरह अपने आप सीखने की क्षमता से युक्त होगी और बिना मानवीय हस्तक्षेप के अपने कार्यों को कर सकेगी। भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) मानवीय उम्मीदों को अवसरों में बदलने का एक नया पहलू है। ऐसी मशीनों का विकास जो मानवीय भावनाओं को समझने तथा उसके अनुसार प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो, भावनात्मक बुद्धिमत्ता से युक्त होगी। यदि यह संभव हो सका तो मानव के लिए नए अवसर के द्वार खुल जाएंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

इन तकनीकों ने मानव के लिए अवसर पैदा किए हैं किन्तु कभी-कभी इन अवसरों के कारण संकट की भी स्थितियाँ उत्पन्न हुई हैं। वस्तुतः हम कई ऐसे उदाहरण देख सकते हैं जहाँ तकनीक परेशानी का कारण बनी हो। सोशल मीडिया इसका एक चर्चित उदाहरण रहा है। भारत में हाल ही समय में हुई मॉब लिंचिंग की घटनाओं में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका देखी गयी। न्यूक्लियर प्लांट विभिन्न प्रकार के विकिरणों एवं कैंसर का कारण बने हैं। अंतरिक्ष में अंतरिक्ष कचरे एवं अंतरिक्ष युद्ध का संकट गहराता जा रहा है। जैविक स्तर पर अत्याधिक बदलाव मानवीय अस्तित्व को अत्यधिक खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। रोबोटिक्स के क्षेत्र में AI तथा EI को लेकर भी अनेक प्रकार के विवाद हैं। पर्यावरण प्रदूषण एक नए संकट के रूप में उभरा है।

सूचना-संचार तकनीकी के क्षेत्र की एक नयी समस्या डेटा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के रूप में उभरी है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक तकनीक पर निर्भरता कहीं न कहीं मानव के महत्व को भी कम कर रही है और मानव भी मूल्य ह्रास के कारण मशीनीकृत होता जा रहा है जो एक चिंता का विषय है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में भी तकनीकी विकास के नए-नए प्रयास किए गए हैं। देश में शिक्षा के स्तर पर विज्ञान के अध्ययन को प्रोत्साहन दिया गया। आज भारत अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में विश्व की महाशक्तियों में गिना जाता है। सूचना व संचार के क्षेत्र में तो भारत विश्व की अग्रणी शक्ति है। नाभिकीय तथा रक्षा प्रौद्योगिकी में भी हम निरंतर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयासरत हैं। जैविक तकनीक के क्षेत्र में भी नए-नए अनुसंधान किए जा रहे हैं।

सरकार द्वारा नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। अटल इनोवेशन मिशन के तहत अटल इनक्यूबेशन सेंटर तथा अटल टिंकरिंग लैब इसी दिशा में प्रयास हैं। नवाचार को लेकर जन जागरूकता पैदा की जा रही है। ISRO द्वारा 'यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम' का संचालन किया जा रहा है ताकि स्कूली स्तर के विद्यार्थियों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। स्टार्ट अप प्रोग्राम नवाचार को भी प्रोत्साहित करने का माध्यम है। नेशनल साइंस कांग्रेस में सभी वैज्ञानिकों को एक-दूसरे के विचारों से अवगत कराने का प्रयास किया जाता है। ये सभी प्रयास भारत की उम्मीदों को अवसर में बदलने में सहायक होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

तथा भारत अपने <u>जनांकिकीय लाभांश</u> का लाभ राष्ट्र के हित तथा समाज के हित में करने में सहाय होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वस्तुतः तकनीक '<u>दो धारी तलवार</u>' के समान है। यह उम्मीद को अवसर अवश्य बनाती है, परंतु यदि प्रयोक्ता सतर्क न हो या अनैतिक तरीके से प्रयोग करे तो यही तकनीक मानवीय विनाश का भी कारण बन सकती है। <u>उदाहरण के लिए</u> नाभिकीय तकनीक ऊर्जा सुरक्षा का सशक्त माध्यम है, परंतु इसी तकनीक के प्रयोग से बनाया गया नाभिकीय बम मानवीय अस्तित्व को भी संकट पैदा कर सकता है।

मानव को यह समझना होगा कि तकनीक अपने आप में साधन है, साध्य नहीं। इसका प्रयोग मानवता के हित में ही होना चाहिए। किसी भी तकनीक का <u>नैतिक या अनैतिक होना उसके प्रयोग पर ही निर्भर करता है।</u> जो <u>अग्नि</u> गर्मी देती है, वही जला भी सकती है। यह तो प्रयोग करने वाले पर है कि वह उसका प्रयोग कैसे करता है। मानव प्रौद्योगिकी का प्रयोग मानवता के हित में करे ताकि उसकी उम्मीदें अवसर में बदल सकें –

"सर्वे भवन्तु सुखिनः,
सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु,
मा कश्चित् दुखभागभवेत्॥"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

खंड-B / SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

"विद्याविहीन मनुष्य उस पुष्प के समान है जो आकर्षक तो है, परंतु सुगंध नहीं देता।"

यह कथन मानव जीवन में शिक्षा के महत्व को स्पष्ट कर देता है। वस्तुतः शिक्षा मानव को मानव होने का अर्थ समझाने का सर्वोत्कृष्ट माध्यम है। हर काल में विद्वानों ने शिक्षा के महत्व को स्वीकार किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षा से तात्पर्य 'सीखने की प्रक्रिया' से है जो व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाने का माध्यम बनती है। विभिन्न क्षेत्रों के विषय में जानकारियों तथा नैतिक मूल्यों का संबंध शिक्षा से जुड़ा है। इतिहास, भूगोल, विज्ञान, गणित, तकनीक जैसे विषयों के साथ दया, सहृदयता, प्रेम, करुणा, सम्मान, त्याग जैसे सद्गुणों के विकास में भी शिक्षा की भूमिका देखी जाती है। इन सद्गुणों के स्तर पर प्रकृति प्रेम तथा प्रकृति से सामंजस्य का मूल्य स्वतः ही शामिल हो जाता है। क्योंकि मनुष्य के पास जो कुछ वह सभी प्रकृति प्रदत्त ही है।

कुछ दिनों पूर्व एक मुद्दे पर काफी बहस रही जो कि वन भूमि पर अधिकार के प्रश्न से जुड़ा था। निरंतर बढ़ते भूमि के औद्योगिक उपयोग के चलते नई भूमि की उपलब्धता की संभावनाएँ कम हो रही हैं। ऐसी स्थिति में वन भूमि पर कुछ संभावनाओं को तलाशने का प्रयास किया जा रहा है, परंतु इसमें जनजाति अधिकारों का मुद्दा बीच में आ रहा था। इस घटना ने मुझे सोचने पर विवश कर दिया कि आखिरकार हम यह कैसे विकास की ओर बढ़ रहे हैं जहां

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विकास का महत्त्व प्रकृति और मानव दोनों से अभिन्न है

शिक्षा व्यवस्था और प्रकृति सह-अस्तित्व का मुद्दा आज उठ खड़े होने के कई कारण हैं। हम आधुनिकता की दौड़ में इतने अंधे हो चुके हैं कि विकास और सुख-सुविधाएं हमारे लिए सर्वोपरि हो चुकी हैं। विकास की इस अंधी दौड़ ने पर्यावरण को पूरी तरह विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। वन भूमि निरंतर कम होती जा रही है, प्रदूषण तथा आपदाओं की बारंबारता और तीव्रता निरंतर बढ़ रही है।

प्रकृति से दूर हो जाने का ही परिणाम है कि हम आज मानवीय मूल्यों के पतन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। आपराधिक तत्त्व निरंतर बढ़ रहे हैं। मानव व्यक्तिवादिता का शिकार होकर समाज से पूरी तरह से कटता जा रहा है। शोषण, अत्याचार का घिनौना रूप सामने आ रहा है। इसके पीछे हमारी शिक्षा व्यवस्था भी जिम्मेदार है। आज की शिक्षा केवल जानकारियाँ देने और 'रटंत विद्या' तक सीमित हो गयी है। शिक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूट गया है। शिक्षा के क्षेत्र में आज 'गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा' चल रही है जिसमें जीतना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ही व्यक्ति का एकमात्र उद्देश्य बन चुका है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तित्व का विकास करना होना चाहिए, परंतु आज हम इस ओर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षा और संस्कृति सहअस्तित्व के इस संबंध को स्पष्ट करने में महात्मा गाँधी की वर्धा शिक्षा योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। गाँधी की यह नई शिक्षा योजना संस्कृति प्रेम, आत्मनिर्भरता, मानवीय मूल्यों से युक्त थी। उनका मानना था कि शिक्षा ऐसी हो जो मानव को आत्मनिर्भर बना सके तथा मानवीय मूल्य सीखा सके। इसी कारण वे किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान को भी आवश्यक मानते थे। बच्चों को उनकी योग्यता के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे रोजगार के लिए भी तैयार हो सके। इसमें हस्तशिल्प पर मुख्य बल दिया गया। उनकी विकास की अवधारणा 'ग्राम-स्वराज' पर केन्द्रित थी। जब गाँव आत्मनिर्भर होंगे तो विकास का वितरण सभी के लिए समान रूप में हो सकेगा।

भारतीय समाज की परंपरागत शिक्षा व्यवस्था संस्कृति के मूल्य को साथ लेकर चलती थी। गुरुकुल में दी जाने वाली शिक्षा न केवल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

प्रकृति के बीच रहकर दी जाती थी, बल्कि रटने के बजाय **शिक्षा के आत्मसातीकरण** पर अधिक बल दिया जाता था। मूल्य एवं व्यवहारिक ज्ञान इस शिक्षा के मूल में था। यही कारण था कि भारतीय परंपरा में प्रकृति के प्रति श्रद्धा का भाव देखा जाता है। हमारी परंपरा में प्राणियों से लेकर पेड़-पौधों तथा प्राकृतिक शक्तियों के लेकर देवत्व का भाव रहा है। विभिन्न त्योंहार, पर्व, व्रत, परंपराएँ इस बात को भली-भाँति सिद्ध करती हैं।

शिक्षा विकास के क्रम में अपने इस मूल तत्व को खोती चली गयी। आज की शिक्षा हमें तकनीक तो सीखा देती है, पर उस तकनीक के प्रयोग की नैतिकता नहीं। इसी संदर्भ में एक 'शिक्षायुक्त शैतान' की अवधारणा सामने आती है। आज हम आतंकवादियों के रूप में कई व्यक्तियों को देखते हैं जो उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण करने के भी ऐसे अमानवीय कार्य में संलग्न है। इस स्थिति में शिक्षा का मूल्य रहित हो जाना मानव के लिए अत्यंत घातक बन चुका है। ओसामा बिन लादेन जैसे उदाहरण हमारे सामने है जो इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त कर ऐसे कार्य कर रहा था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय में, समावेशी और सतत विकास की अवधारणाओं पर बल दिया जाना भी शिक्षा के प्रकृति की ओर संदर्भित किए जाने का ही परिणाम है। वस्तुतः बिना प्रकृति के महत्व को समझे तथा उसके साथ सामंजस्य स्थापित किए मानव के लिए विकास को स्थायी बनाना असंभव है। प्रकृति स्वयं द्वारा किए जा रहे प्रदूषण एवं विनाश को स्वयं संतुलित कर पाने में सक्षम होती है परंतु मानवीय हस्तक्षेप इस दर को अत्यंत तीव्र कर सामंजस्य को समाप्त कर देता है। गाँधी जी का कथन है—

"प्रकृति हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में तो सक्षम है, परंतु हमारे लालच की नहीं।"

इसी कारण प्रकृति के महत्व को समझे जाने की आवश्यकता है। ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता खतरा, जैव विविधता में निरंतर होती कमी, नई-नई बीमारियों का पनपना, आपदाओं में वृद्धि, पर्यावरण निम्नीकरण आदि संकेत यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यदि हम प्रकृति को लेकर जागरूक नहीं हुए तो प्रकृति हमारे लिए संकट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

का कारण बन सकती है। ऐसी स्थिति में शिक्षा के स्तर पर प्रकृति के सामंजस्य के महत्व को व्यावहारिक स्तर पर समझाया जाना आवश्यक है।

केवल भौतिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि मूल्यों के स्तर पर भी त्याग, समानता जैसे मूल्य प्रकृति हमें सीखाती है। वस्तुतः प्रत्येक तत्व का अपना एक महत्व है और किसी अन्य द्वारा उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं हो सकती है। ऐसे में प्रकृति मानसिक और शारीरिक दोनों स्तरों पर मानव जीवन को प्रभावित करती है।

भारत में लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था में केवल जानकारियाँ संग्रहित करने एवं रटने की परंपरा पर बल रहा है। वस्तुतः इसमें ब्रिटिश कालीन शिक्षा नीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंग्रेजों का उद्देश्य भारतीयों के रूप में ऐसे कर्मचारियों को तैयार करना था जो उनके हितों के लिए कार्य कर सके। अतः नवाचार, मूल्य, प्रकृति प्रेम जैसे तत्वों को नकारा गया क्योंकि ये मानव की सोचने की क्षमता का विस्तार कर देते हैं जो अंग्रेज नहीं चाहते थे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भी इस ओर ध्यान नहीं दिया गया और यह परंपरा जारी रही। रटने की यह प्रक्रिया इतनी घातक हो चुकी है कि बच्चों को आत्महत्या तक करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। कौशल की कमी बेरोजगारी बढ़ा रही है और समाज का एक वर्ग अभी भी शिक्षा तक पहुँच से वंचित था (यद्यपि इस दिशा में अथक प्रयासों से शिक्षा तक पहुँच की दिशा में प्रभावी सफलताएँ मिली हैं।

सरकार द्वारा जारी की गई नई शिक्षा नीति (NEP) इस दिशा में उम्मीद की एक नयी किरण दिखाई देती है। व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए इस शिक्षा व्यवस्था में बचपन से ही व्यावहारिक शिक्षा पर अधिक बल देने का उद्देश्य रखा गया है। व्यक्ति की शिक्षा केवल उसके मस्तिष्क तक सीमित न रहे बल्कि व्यवहार में भी दिखाई दे, इस पर बल दिया जा रहा है। सरकार द्वारा चलायी जा रही स्वच्छ भारत मिशन, कौशल विकास जैसी योजनाएँ प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

वस्तुतः हमें शिक्षा के महत्व को समझना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी होगा कि वह मानव निर्माण का साधन है जिसका केवल आर्थिक महत्त्व नहीं है। शिक्षकों के स्तर पर भी गुणवत्ता सुधारने जाने की आवश्यकता है। उन्हें उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम का पुनर्मूल्यांकन करते हुए उसे प्रकृति व मूल्य व्यवस्था से जोड़ा जाए, तभी शिक्षा व्यवस्था सार्थक हो सकेगी।

" इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है,
नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है,
कहीं से एक चिंगारी ढूँढ लाओ दोस्तो,
इस दीये में तेल से भीगी हुई बाती तो है"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation